DOI PREFIX 10.22183
JOURNAL DOI 10.22183/RN
SIF 5.411

RESEARCH NEBULA
An International Refereed, Peer Reviewed & Indexed Quarterly Journal in Arts, Commerce, Education & Social Sciences

ISSN 2277-8071

SHIVAJI COLLEGE HINGOLI

J-Gate INDEXED

RESEARCH NEBULA

An International Refereed, Peer Reviewed & Indexed Quarterly Journal in Arts, Commerce, Education & Social Sciences

ISSN 2277-8071

Impact Factor 5.411

October 2020 Volume IX, Issue III

DOI PREFIX 10.22183

JOURNAL DOI 10.22183/RN

Edited a Published by

DR. GANESH PUNDLIKRAO KHANDARE
Yashwantrao Chavan Arts & Science Mahavidyalaya,
Mangrulpir, Washim, Maharashtra
ganukhandare7@rediffmail.com
Cell: +91-9850383208.
www.ycjournal.net

PRINCIPAL
SHIVAJI COLLEGE
Hingoli Dist. Hingoli

078 077 073

ISSN 2277-8071

J-Gate INDEXED

RESEARCH NEBULA

An International Refereed, Peer Reviewed & Indexed Quarterly Journal in Arts, Commerce, Education & Social Sciences

DOI PREFIX 10.22183
JOURNAL DOI 10.22183/RN
IMPACT FACTOR 5.411
INDEXED IN 52 DATABASES
SCOPUS APPROVED WEB BASED MANAGEMENT
GOOGLE CITATIONS

VOLUME IX, ISSUE III, OCTOBER

Published on
4th October, 2020

www.ycjournal.net

Scholarsteer

OPEN ACCESS DataCite

PRINCIPAL
SHIVAJI COLLEGE
Hingoli Dist. Hingoli

DOI PREFIX 10.22183
JOURNAL DOI 10.22183/RN
SJIF 5.411

RESEARCH NEBULA
An International Refereed, Peer Reviewed & Indexed Quarterly
Journal in Arts, Commerce, Education & Social Sciences

ISSN 2277-8071

	Author(s)	ORCID	Title	Page
1.	DR. PRALHAD WAWRE Department of Marathi, F.N. College, Pusad Dist. Yavatmal, Maharashtra drpjwawre@gmail.com	https://orcid.org/ 0000-0001-8242- 1340	Babarao Musale And Dr. Sadanand Deshmukh : Two Novelists from Vidarbha	14
2.	DR. JYOTSNA SAMBHAJI PUSATE J.D. Patil Sangdudkar College, Daryapur Dist.Amravati Maharashtra, India. jyotsnapusate71@gmail.com	https://orcid.org/ 0000-0003-2888- 6723	The Necessity of Self-Reliance and Enlightenment for India	17
3.	SURENDRA HARIBHAU KINHIKAR Assistant Professor, Department of Political Science, Shrimati Radhabai Sarda Arts, Commerce and Science College, Anjangaon Surji, Dist.Washim Maharashtra, India skinhikar2@gmail.com	https://orcid.org/ 0000-0003-1959- 7487	The Formation of a Small State in Strengthening the Indian Union	20
4.	DR. SANJAY BHIMRAO KHADSE Principal *(Officiating)* Shri Shivaji College of Education, Amravati, Maharashtra, India khadsesanjay6644@gmail.com	https://orcid.org/ 0000-0001-6809- 2149	Coronavirus (Covid-19) Impact of Education Teaching & Learning	24
5.	JOSE JACOB Research Scholar, Department of Research and Development (Management Studies), Bharathiar University, Coimbatore, Tamil Nadu josejacobaca@gmail.com DR. K.K. RAMACHANDRAN Research Supervisor, Director, GRD Institute of Management, Coimbatore, Tamil Nadu dr.k.k.ramachandran@gmail.com	https://orcid.org/ 0000-0002-9660- 4233 https://orcid.org/ 0000-0003-0589- 4448	An Analysis of ERP Effectiveness in Financial Management	28
6.	D. B. WANKHADE Assistant Professor, Dept. of English Shri Shivaji Arts, Commerce and Science College Akot, Dist. Akola, Maharashtra, India. dbwan79@gmail.com	https://orcid.org/ 0000-0001-8152- [illegible]	Manohar Malgoankar's *The Priencess*: Treatment of Triabals	32

SHIVAJI COLLEGE HINGOLI
PRINCIPAL
SHIVAJI COLLEGE
Hingoli Dist. Hingoli

DOI PREFIX 10.22183
JOURNAL DOI 10.22183/RN
SIF 5.411

RESEARCH NEBULA
An International Refereed, Peer Reviewed & Indexed Quarterly Journal in Arts, Commerce, Education & Social Sciences

ISSN 2277-8071

SHIVAJI COLLEGE HINGOLI

7.	DR. PANKAJ G. DINDOKAR Assistant Professor in English, R.D.I. K and K.D. College, Badnera, Maharashtra pankaj.g.dindokar55676@gmail.com	https://orcid.org/0000-0001-8852-9977	Anita Desai: Postcolonial Indian Feminist	37
8.	DR. DEVENDRA N. GUJARKAR Sports Director of Channawar's Vidya Mandir, Yelakeli d.gujarkar@gmail.com	https://orcid.org/0000-0003-0732-1256	Effect of Rope Skipping Exercise on The Development of Speed of Individuals	41
	DR. SUDHIR GANESHRAO WAGH Assistant Professor, Head, Department of Hindi, Shivaji College, Hingoli, Maharashtra, India. wagh.sudhir001@gmail.com	https://orcid.org/0000-0001-7362-5915	*'Kissa Kurshi Ka'*: A Satirical Play on Politically Corrupt Activities	43
10.	SUNIL KAMBLE Assistant Professor, Department of Hindi, Shivaji College, Hingoli, Maharashtra, India. sunilskamble1532@gmail.com	https://orcid.org/0000-0001	Relevance of Musharraf Alam Zouki's Novel *'Shahar Chup Hai'*	47

PRINCIPAL
SHIVAJI COLLEGE
Hingoli Dist. Hingoli

DOI PREFIX 10.22183
JOURNAL DOI 10.22183/RN
SIF 5.411
RESEARCH NEBULA
An International Refereed, Peer Reviewed & Indexed Quarterly Journal in Arts, Commerce, Education & Social Sciences
ISSN 2277-8071

'KISSA KURSHI KA': A SATIRICAL PLAY ON POLITICALLY CORRUPT ACTIVITIES

DR. SUDHIR GANESHRAO WAGH
Assistant Professor, Head, Department of Hindi, Shivaji College,
Hingoli, Maharashtra, India.
wagh.sudhir001@gmail.com
ORCID
https://orcid.org/0000-0001-7362-5915

Received: 24.07.2020 Reviewed :29.07.2020 Accepted: 09.08.2020

ABSTRACT

The work of correcting the distortions of society through satire has been going on for ages. Curiosities prevalent at the present time are often made the subject of satire. Today, the nation is in the grip of red tape, Hitlerism and authoritarianism. In the last sixty-eight years, the leadership of the country has changed many times but the attitude of all the rulers has remained the same selfish. In his view, the public interest is not prominent but the self is especially revered. All these are having a direct impact on the public. The present play aptly points out the relavant activities in a very perfect way.

KEYWORDS: Dishonesty, selfishness, lies, deceit, fraud

राजनीतिक भ्रष्ट गतिविधियों पर करारा व्यंग्य करता नाटक - किस्सा कुर्सी का

शोध सार-व्यंग्य के माध्यम से समाज की विकृतियों को सुधारने का कार्य युगों से चल रहा है। वर्तमान समय में प्रचलित कुरीतियों को ही प्राय: व्यंग्य का विषय बनाया जाता है। आज राष्ट्र लाल फीताशाही, हिटलरशाही और सत्ताशाही की गिरफ्त में है। पिछले अडसठ वर्षों में देश का नेतृत्व अनेक बार बदला लेकिन समस्त सत्ताधिपतियों की मनोवृत्ती वही घोर स्वार्थी रही है। उनकी दृष्टि में लोकहित प्रमुख न होकर स्वहित विशेष रुप से पूजनीय है। इन सब का प्रभाव सीधा जनता पर पडा रहा है।

मुख्य शब्द - बेईमानी, स्वार्थ, झुठ, छल, कपट समस्त सत्ताधिपतियों की मनोवृत्ती।

प्राचिन काल से मानव जीवन के संतुलित विकास की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मनुष्य का स्वभाव तथा उसके आसपास के जीवन और उसकी परिस्थितीयों से निरंतर संघर्ष चलता रहा है। चाहे वे परिस्थितियाँ राजनीतिक धार्मिक, सामाजिक अथवा वैयक्तिक हो, मनुष्य के लिए सर्वदा यही स्वाभाविक रहा है कि वह इन परिस्थितियों में स्वयं संतुलन न खोते हुए तत्कालिन विसंगति से लोहा ले साथ ही अभिव्यक्ति के क्षेत्र में यह संघर्ष व्यंग्य के रुप में व्यक्त होता रहा है। ऐसे समय में व्यंग्य और व्यंग्यकार का यह कर्तव्य है कि वह अपने समय और युग की समस्त विसंगत स्थितियों की आलोचना करे।

व्यंग्य के माध्यम से समाज की विकृतियों को सुधारने का कार्य युगों से चल रहा है। वर्तमान समय में प्रचलित कुरीतियों को ही प्राय: व्यंग्य का विषय बनाया जाता है। काल के अनुरूप अगर देखा जाए तो विरगाथा काल में कायर, भक्तिकाल में पाखण्डी, रीतिकाल में सामंतवर्ग, भारतेंदुयुग में विदेशी शासन, अंग्रेजी भाषा को व्यंग्य का आलंबन बनाया इसे समाज सुधार परिवर्तन एवं बदलाव की संज्ञा भी दि गयी है। कबीर, भारतेंदु जैसे व्यंग्यकारों का यही मंतव्य रहा है कि तत्कालीन समाज की बुराइयों, राजनीतिक भ्रष्टाचारों को समाप्त किया जाये।

आधुनिक नाटककारों में अमृत नाहटा भी एक ऐसे शशक्त व्यंग्य नाटककार है। जिन्होंने अपने नाटकों में बहुत आक्रमक तेवर के साथ तत्कालीन राजनीति का लेखा जोखा प्रस्तुत किया है। उनका 'किस्सा कुर्सी का' यह बहुचर्चित राजनीतिक व्यंग्य नाटक है, जो आपतकालीन और उसके बाद हुई सरकारी ज्यादतियों नेताओं की मनामानी एवं राजनितीक उथल: पुथलं, घात-प्रतिघात आदि को पूरी सार्थकता के साथ उसी रूप में उपस्थित करता है। नाटक में व्यंग्य का स्वर इतना तीव्र और कठोर है कि आपतकाल के दौरान इस पर प्रतिबंध लगाया गया और इस पर बनी फिल्म को भी गायब

PRINCIPAL
SHIVAJI COLLEGE
Hingoli Dist. Hingoli

DOI PREFIX 10.22183
JOURNAL DOI 10.22183/RN
SJIF 6.11
RESEARCH NEBULA
An International Refereed, Peer Reviewed & Indexed Quarterly
Journal in Arts, Commerce, Education & Social Sciences
ISSN 2277-8071

SHIVAJI COLLEGE HINGOLI

और नष्ट करवा दिया गया। वर्तमान राजनीति का चित्र देखते हुए से सुधारने का प्रयास अमृत नाहटा जीने अपने 'किस्सा कुर्सी का' नाटक में किया है। आज के समय में राजनीति का अर्थ ही बदल गया है। आज नीति का राज न होकर राज की नीति है । किसी भी तरीके से राज हाथियाने की नीति है। आज के शासको तथा नेताओं का राजनीति के प्रति दृष्टिकोण पूर्णत: परिवर्तित हो गया है। राजनीति से देश का हर एक क्षेत्र प्रभावित है। 'किस्सा कुर्सी का' नाटक का संवाद उल्लेखनीय है।

"मिरा : इस देश के पॉलिटिक्स से बचकर रहना रेकल है।

एक सदस्य : लेकिन आज की पॉलिटिक्स में सिर्फ दल-दल है, गंदगी है।

मीरा : पॉलिटिक्स खिलाडियों का खेल, तमाशबीनों का तमाशा और नशे बाजों का नशा है।"[1]

भारतीय राजनीति का एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी कि वह एक ही परिवार द्वारा शासन तंत्र संभालने की एक कटु यथार्थ अभिव्यक्ति है। राजनीति में हमें एक ही परिवार के लोगों का वर्चस्व दिखाई देता है। उनकी पीढी दर पीढी इसी क्षेत्र में कार्य कर रही है। इस पर व्यंग्य करते हुए अमृत नाहटा किस्सा कुर्सी का में लिखते हैं-

"मिरा : ... ये हैं हमारे डायरेक्टर ऑफ कम्प्लेंट्स। इनके बाप के दादा के परदादा के लकडदादा ने जहाँगीर का घंटा नीलामी में खरीदा था। ये जनगण देश की जनता की शिकायतें सुनते हैं, हालांकि खुद बहरे है।"[2]

आज राजनिती के क्षेत्र में कई लोग प्रवेश कर रहे हैं। इन लोगों को न कोई समाज सेवा करनी है न इनमें राष्ट्र के लिए प्रेम है। यह केवल अपना स्वार्थ साधते हैं। ये लोग समाज में बेकार होते हैं इसलिए पॉलिटिक्स में प्रवेश करके अपना नाम ऊंचा कर रह हैं। इसी प्रवृति पर व्यंग्य करते हुए 'किस्सा कुर्सी का' का यह संवाद-

"मिरा: कोई परवाह नहीं। पॉलिटिक्स एक खेल है, एक नशा है, एक जादू है तो बिजनेस भी है। पैसा जमा करो, चुनाव जीतो और पैसा बनाओ । पैसा, पावर, पैसा।"[3]

युगीन राजनीति में वोटों की सत्ता महत्ता अक्षुण्य है। जो नेता जितने अधिक वोट प्राप्त कर लेता है वह उतना ही बडा माना जाता है। वोटों को प्राप्त करने के माध्यम की ओर किसी का ध्यान नहीं जाता। वोटर को चंद सिक्कों अथवा शराब की बोतल से खरीदा जा सकता है। ऐसे ही राजनीतिज्ञ निर्वाचित होकर शासन में आते है, जिन्होंने वोटरों की खूब सेवा की होती है। इस संबंध में 'किस्सा कुर्सी का' में मीरा कहती हैं-

"मीरा : फ्रान्स से दस हजार टन शराब मंगाइए। शराब पीकर वोटर वोट देता है, वह हमेशा सही होता है।"[4]

"बैरिस्टर : .... शराब? एक हजार वोट और 2000 बोतल। दे दो हरामखोरों को पीने दो सालों को मगर वोट तो देंगे?"[5]

आज की राजनितिक स्थिति कुछ इस प्रकार है कि हर व्यक्ति यहाँ सीढी दर सीढी न चढकर उचककर चढना चाहता है और इसके लिए दूसरों को धक्का देने में भी उसे किंचित संकोच का अनुभव नहीं होता। चारों और उपराधी-सा प्रतीत होता है। व्यक्ति अपने स्वार्थो में लिपटे हुए हैं। उसे दूसरों के हित-अहित की चिंता नहीं है। अपना हित साधना ही उसे सर्वापरी प्रतीत होता है। कई बार मुखौटा पहने उम्मीदवार खडे होते हैं। ऐसे उम्मीदवार को कोई और ही ताकत नचाती है। राजनिती के इसी निती पर व्यंग्य किया है-

"मिरा: पॉलिटिक्स चुनाव लडना नहीं, चुनाव लडाना है। चुनाव और पॉलिटिक्स अक्ल का खेल है। उम्मीदवार कोई भी हो, अगर उसके पीछे अक्ल है, ऑरगेनाईजेशन है, प्लानिंग है, तो वह जरूर जीतता है। ये जो दोनों उम्मीदवार खडे है, दोनों ही मुखौटे हैं। इनके पीछे कोई और ही ताकद इन्हें नचा रही है। मैं अगर चाहूँ तो एक भिकारी को जनगण देश का प्रेसिडेंट बना सकती हूँ एक गवार बेवकूफ को सबेस बडा लीडर बना सकती हूँ।"[6]

राजनिति में वही व्यक्ति सफल हो सकता हैं जिसमें दुश्चरित्रता का प्रत्येक लक्षण विद्यमान हो। बेईमानी, स्वार्थ, झुठ, छल, कपट आदि सब गुण उसमें अनिवार्य हैं। जनता की बहकाने, खरीदने तथा शोषण करने की कला में उसका पारंगत होना आवश्यक है। 'किस्सा कुर्सी का' नाटक में मीरा और गोपाल अपनी गिरती हुई प्रतिष्ठा देखकर परेशान हैं। लेकिन चुनाव में अपने ही व्यक्ति को सत्तारुढ करता है इसलिए पैसे के बल पर एक भिकारी को बहकाते हैं। वे जानते हैं चुनाव में वे बुरी तरह पराजित होंगे। इसिलिए एक गरीब जम्हूरे को सत्ता का लोभ देकर कहते हैं।

"मिरा : देखो गंगू, अगर तुम ठीक से ट्रेनिंग ले लोगे तो हम तुम्हें जनगण देश का प्रेसिडेंट बनायेंगे । राज करायेंगे । मौज-मस्ती करायेंगे देखो गंगू, हर नेता को अभिनेता होना चाहिए और तुम तो जम्हूरे हो। तुम से अच्छा अभिनेता और कौन होगा"[7]

आज के युग में समाज के साथ-साथ राजनिती में भी झूठे आश्वासनों का बोलबोला है। सच तो यह है कि आज के व्यक्ति भी झूठे आश्वासनों के अभ्यस्त हो चुके हैं। आश्वासन

PRINCIPAL
SHIVAJI COLLEGE
Hingoli Dist. Hingoli

DOI PREFIX 10.22183
JOURNAL DOI 10.22183/RN
SIF 5.411
RESEARCH NEBULA
An International Refereed, Peer Reviewed & Indexed Quarterly
Journal in Arts, Commerce, Education & Social Sciences
ISSN 2277-8071

उन्हें एक प्रकार की सान्त्वना प्रदान करता है।'किस्सा कुर्सी में नेता गंगाराम कहता है-

"गंगाराम : समाजवाद, समाजवाद, समाजवाद। मैं समाजवाद लाऊँगा। गरीबी हटाऊंगा। मैं अमीरों को मिटा दूँगा, गरीबों को उठा दूँगा। मैं जनगण देश का नक्शा बदल दूँगा, संविधाना को उलट दूँगा, सबका भाग पलट दूँगा। देश के मजदूरों जाग उठो। किसानों जाग उठो। समाजवाद आएगा नई रोशनी लाएगा।"[8]

जनता के समाने कई झूठे आश्वासन दिये जाते हैं। खासकर यह आश्वासन चुनाव के समय दिये जाते हैं। चुनाव आते ही झुठे आश्वासनों की खैरात बँटती है। कोई भी नेता हो वह बिना आश्वासनों के कुछ नहीं देगा।

"गंगाराम : जागो मैं तुम्हें जगाने आया हुँ। आँखे खोलो जनता, देखो, मेरी आँखो में देखो। मैं तुम्हारे लिए नई आशा, एक नया प्रकाश लेकर आया हुँ। देखो, अंधेरी रात अब समाप्त हो चुकी है, नया सेवरा हो रहा है।"[9]

जनहित का नाम देकर प्राय: धन राजनेताओ और बाबू के घरों में आता है।'किस्सा कुर्सी' नाटक में कार्यकारी अभियंता 'पिछले सालसे 18 बिजली घर, 57 पुल और 30 हजार मील सडकें निगल चुका है।

देश में राजनीतिक दलों की बहुलता है। राजनीतिक दल विशेष एक जाति, एक धर्म अथवा एक संस्कृति के सदृश्य होता है। उसकी परंपराओं, नियमों, सिध्दांतों और नीतियों से हम बंधे होते हैं। उनका कठोरता से पालन करना सभी का कर्तव्य होता है। लेकिन वर्तमान राजनीति में सब दलों का एक ही उद्देश्य है- जनता का शोषण करना तथा सत्ता को हथियाना। 'किस्सा कुर्सी का' नाटक में की मीरा अपने दल क्रांतिकारी जनतांत्रिक सोशलिस्ट पार्टी की अति उपयुक्त व्याख्या करती हुई कहती है-

"मीरा : नाम तो ठीक है। क्रांति यांनी भ्रांति। जनतांत्रिक यानि धनतांत्रिक, सोशलिस्ट यानी होटलिस्ट पार्टी। भ्रांतिकारी, धनतांत्रिक, होटलिस्ट पार्टी।"[10]

चुनाव के समय राजनीतिक दल का विरोध करके दूसरे दलों को अपने दल से छोटा दिखाने का प्रयतन करते हैं।

"गंगाराम : नीली पार्टी क्या है? हाफुस आम। पीली पार्टी का क्या है? लंगडा आम । लेकिन दोनों सडे हुए हैं। दोनों गले हुए हैं। दोनों बदबूदार हैं। नीली पार्टी, पीली पार्टी दोनों एक ही छोटे सिक्के के दो चेहेरे हैं।"[11]

राजनीतिक घोषणाये कई कि जाति है। चुनाव के वक्त की गई घोषणाएँ चुनाव तक ही सीमित रहती है। बादमें वह दुबारा सामने नहीं आती और न ही उसपर दूबारा अमल होता है। नेता उस घोषणा को भूल जाते है।

"एक सदस्य : हमारा चुनाव घोषणापत्र क्या होगा?

मीरा : हमारी एक ही घोषणा है- गरीबी हटाओ।"[12]

नेता के हार्थो अगर कुछ दिनों से उद्घाटन नहीं हुआ तो वह परेशान हो जाते है। उनके हार्थो उद्घाटन न होने की पीडा से वह छटपटाते हैं। अमृत नाहटा की कृति 'किस्सा कुर्सी का' पात्र गंगाराम का संवाद इस बात की पुष्टि करता है-

"गंगाराम : देशपाल, देशपाल।

(देशपाल आता है)

देशपाल : जी हुजूर।

गंगाराम : देशपाल, आज हमारा मूड बहूत खराब हैं। पूछों क्यों?

देशपाल : क्यो हुजूर ?

गंगाराम : कल रात हमें नींद नहीं आई। पूछो क्यों?

देशपाल : क्यों हुजूर?

गंगाराम : रोते हुए अरे पंद्रह दिन हो गए और हमने एक भी उद्घाटन नहीं किया। "[13]

शिलान्यास हो, रास्ता, पुल, इमारत, कार्यालय, कारखाना या अन्य किसी भी क्षेत्र का उद्घाटन करना हो तो नेता को बडा अच्छा लगता है।

अंतत: कहा जा सकता है कि अमृत नाहटा जी ने अपने 'किस्सा कुर्सी का' इस नाटक के माध्यम से वर्तमान राजीनीतिक नेताओं की गिरी नैतिकता को व्यंग्य नाटक के माध्यम से उजागर करणे का प्रयास किया गया है। आज राष्ट्र लाल फीताशाही, हिटलरशाही और सत्ताशाही की गिरफ्त में है। पिछले अडसठ वर्षो में देश का नेतृत्व अनेक बार बदला लेकिन समस्त सत्ताधिपतियों की मनोवृत्ती वही घोर स्वार्थी रही है। उनकी दृष्टि में लोकहित प्रमुख न होकर स्वहित विशेष रुप से पूजनीय है। इन सब का प्रभाव सीधा जनता पर पडा रहा है। अमृत नाहटा जी ने अपने नाटक के माध्यम से इसी धूर्त, स्वार्थी दमन की राजनीति को व्यंग्य के माध्यम से फटकारा है।

संदर्भ :-

1. अमृत नाहटा- किस्सा कुर्सी का- राजपाल एण्ड सन्स,कश्मिरी गेट व्दितीय संस्करण 1977 पृ.-19
2. वहीं- पृ. -51
3. वहीं- पृ. -27

SHIVAJI COLLEGE HINGOLI
PRINCIPAL
SHIVAJI COLLEGE
Hingoli Dist. Hingoli

DOI PREFIX 10.22183
JOURNAL DOI 10.22183/RN
SIF 5.411

RESEARCH NEBULA
An International Refereed, Peer Reviewed & Indexed Quarterly Journal in Arts, Commerce, Education & Social Sciences

ISSN 2277-8071

SHIVAJI COLLEGE HINGOLI

वहीं- पृ. -27
वहीं- पृ. -45
6. वहीं- पृ. -20
वहीं- पृ. -30
वहीं- पृ. -34
9. वहीं- पृ. - 38
10. वहीं- पृ. -25
11. वहीं- पृ. - 35
12. वहीं- पृ. - 26
13. वहीं- पृ. - 100

T.C.

Assistant Professor
Shivaji College,Hingoli.
Tq.& Dist.Hingoli.(MS.)

PRINCIPAL
SHIVAJI COLLEGE
Hingoli Dist. Hingoli